

पाठ 5 - हामिद खाँ

~ एस. के. पोट्टेकाट

प्रश्न-उत्तर

प्रश्न 1. लेखक का परिचय हामिद खाँ से किन परिस्थितियों में हुआ?

उत्तर : गर्मियों में लेखक तक्षशिला के खंडहर देखने गया था। गर्मी के कारण लेखक का भूख प्यास से बुरा हाल था। खाने की तलाश में वह रेलवे स्टेशन से आगे बसे गाँव की ओर चला गया। वहाँ एक दुकान पर रोटियाँ सेंकी जा रही थीं जिसकी खुशबू से लेखक की भूख और बढ़ गई। वह दुकान में चला गया और उसने खाने के लिए माँगा। वहीं दुकान के मालिक हामिद खाँ से उनका परिचय हुआ।

प्रश्न 2. 'काश मैं आपके मुल्क में आकर यह सब अपनी आँखों से देख सकता।' हामिद ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर : हामिद खाँ को जब पता चला कि लेखक हिंदू है तो उसने पूछा कि क्या वह मुसलमानी होटल में खाएँगे। तब लेखक ने बताया कि हिंदुस्तान में हिंदू-मुसलमान में कोई भेद नहीं होता है। अच्छा पुलाव खाने के लिए वे मुसलमानी होटल में ही जाते हैं। वहाँ हिंदू-मुसलमानों के बीच दंगे नहीं होते। सब बराबर हैं। हामिद को एकदम विश्वास नहीं हुआ क्योंकि उसके यहाँ ऐसा नहीं था। वह यह सब अपनी आँखों से देखना चाहता था इसलिए उसने उपर्युक्त कथन को कहा।

प्रश्न 3. हामिद को लेखक की किन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था?

उत्तर : लेखक ने हामिद को कहा कि वह बढ़िया खाना खाने मुसलमानी होटल में जाते हैं। वहाँ हिंदू-मुसलमान में कोई भेद-भाव नहीं किया जाता है। सभी प्रेम और सद्भाव से रहते हैं। हिंदू-मुसलमान में दंगे भी न के बराबर होते हैं। लेखक की इन सब बातों पर उसे विश्वास नहीं हो रहा था।

प्रश्न 4. हामिद खाँ ने खाने का पैसा लेने से इंकार क्यों किया?

उत्तर : हामिद खाँ ने लेखक को मेहमान माना था। उसे गर्व था कि एक हिन्दू ने उसके होटल का खाना खाया था। इसलिए उसने खाने का पैसा लेने से इंकार किया।

प्रश्न 5. मालाबार में हिंदू-मुसलमानों के परस्पर संबंधों को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : मालाबार में हिंदू-मुसलमान मिलकर रहते हैं, उनमें आपसी दंगे भी नहीं होते हैं। दोनों के धर्मों में कोई भेदभाव नहीं होता है। बढ़िया खाना खाने के लिए हिंदू भी मुसलमानी होटल में जाते हैं। वहाँ आपसी मेलजोल का माहौल है। मुसलमानों द्वारा भारत में स्थापित पहली मस्जिद भी इसी राज्य के 'कोडुंगल्लूर' नामक स्थान पर है। मालाबार में न केवल हिंदू-मुसलमानों में भाईचारा है, बल्कि वह हिंदू-मुसलमानों की एकता का एक अनूठा स्थान भी है।

प्रश्न 6. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है?

उत्तर : तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में हामिद खाँ का विचार आया जिसके होटल में उसने तक्षशिला भ्रमण के दौरान खाना खाया था। लेखक हामिद खाँ के द्वारा की गई मेहमान-नवाज़ी को बिलकुल नहीं भूले थे। उन्होंने हामिद खाँ की दुकान बचाने के लिए भगवान से विनती भी की।

इससे लेखक के धार्मिक सहिष्णुता, हमदर्दी जैसे स्वभाव की विशेषता का परिचय मिलता है।
